MR. CHAIRMAN: Question No. 45..

SHRI DIPEN GHOSH. Sir, Question No. 54 may be tagged with Question No. 45.

MR. CHAIRMAN: No.

News-item captioned 'Pepsico project gets green signal from CCEA'

*45. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the news-item published in the *Financial Express* of the 7th April, 1990, captioned 'Pepsico project gets green signal from CCEA';

(b) if so, whether it is a fact that Pepsi Foods have been asked not to use the brand name 'Pepsi' for their products in the domestic market;

(c) if so, whether the new brand name would be a hybrid name; and

(d) whether the brand name 'Chee-tos' is also to be changed?

THE MINISTER OF TEXTILES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF FOOD-PROCESSING INDUSTRIES (SHRI SHARAD YADAV): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) and (c) After considering all aspects of the matter, Government decided that the brand name to be used shall be a hybrid with 'Pepsi' as suffix. Discussions were held with representatives of M/s. Pepsi Foods Private Limited and thereafter it was decided that 'Lehar' could be used as prefix to the name 'Pepsi', '7 Up', and 'Mirinda'.

(d) M/s. Pepsi Foods Private Limited are using the name 'Hostess Cheetos' and Government has not been informed by them about any proposal to change the name.

श्री प्रमोद महाजन: सभापति जी, पिछले दशक में स्वदेशी मंत्र पर विदेशी तंत्र इतना हावी हो गया है कि हर छोटी बड़ी चीज अब हम विदेशी नाम से खरीद रहे हैं। हीरो के साथ होंडा जुड़ा है, बजाज के साथ कावासाकी चिपका है, मारुति के साथ सुजुकी की दुम लगी है, गुड़िया बारवी है, पेन शार्प है, जूता पंपोज है, पैंट आदिदास है, हिन्दुस्तान का कुछ नहीं बचा है। अब शीत पेय जल में पेप्सी के नाम की लहर आ गई है। इस संदर्भ में मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या पेप्सी के प्रकल्प को हरी झंडी देते समय यह शर्त लगाई गई थी कि पेप्सी फारेन ब्रांड के नाम का उपयोग न करे। और क्योंकि शर्त लगाई गई थी इसलिये इस शर्त से बचने के लिये पेप्सी के साथ लहर शब्द चिपका कर क्या एक बेईमानी का रास्ता सरकार ढूंढ रही है?

श्री सभापति: सरकार ढूंढ रही है?... **(व्यवधान)** ... सरकार पर कम से कम यह लांछन न लगायें।

श्री शरद यादव: सभापति जी, ... **(व्यवधान)** ... माननीय सदस्य जी ने बहुत विस्तार से जो जवाब मुझे देना था वह उन्होंने खुद दे दिया है। यह जो दुमछल्ले लगे हैं ये कई दिनों से लगे हैं। यह जो परंपरा है, मारुति सुजुकी, कायनोटिक होंडा, हीरो होंडा, इन्होंने कई नाम अभी गिनाये, चल रहे हैं। जो करार था उस करार में था कि फारेन ब्रांड नेम्स का इस्तेमाल नहीं होगा। पेप्सी कंपनी ने यहां पेप्सी एरा करके कोशिश की कि पेप्सी एरा नाम से अपने साफ्ट ड्रिंक्स को बेचने का काम और अपने प्रोडक्ट्स को बेचने का काम करे। हमने जब करार देखा तो उस करार को देखकर लगा कि इस देश में जो यह सामान बन रहा है इसमें स्वदेशी की कहीं कोई ध्वनि नहीं है, कहीं कोई अहसास नहीं है। हमने तत्काल कार्यवाही की। उन्होंने हमसे कहा कि हम बहुत दिक्कत में फंस जायेंगे। हमने कहा कि चाहे जितनी भी दिक्कत में आप फंसे, आपने जो करार किया है, आपको उस करार को कौमे और फुलस्टाप के साथ पूरा करना होगा। इस लिहाज से हमने कहा कि हिन्दुस्तान में यह बन रहा है इसलिये इस बात का जरूर अहसास होना चाहिए। जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा बहुत नाम पहले से ही थे, हाई ब्रीड नेम, उनकी अनुमति लोगों को मिली हुई थी और वे चल रहे हैं। पेप्सी के

मामले में कोई स्पेशल, कोई विशेष कानून नहीं है ताकि हम उनको इस बात से रोक सकें। इस लिहाज से हमने उनको बुलाया। उन्होंने बहुत से नये नाम दिये और हमने अपनी तरफ से बहुत से नाम सुझाये जैसे ताज पेप्सी। हमने कहा कि मीनार पेप्सी कर दो, हमने कहा कि ताऊ पेप्सी कर दो। ... (व्यवधान)...

श्री दीपेन घोष: पेप्सी अभी ताऊ हो गया, इसलिए आ गया (व्यवधान)

श्री एन० के० पी० साल्वे: मंत्री जी, अगर आपने राजा पेप्सी का सुझाव दिया होता तो ज्यादा अच्छा हो गया होता (व्यवधान)

श्री शरद यादव: यह मैं भूल गया था, सुझाव दे सकता था, यदि आपने मुझे पहले बता दिया होता तो मैं इस नाम को भी दे देता कि राजा पेप्सी कर दो (व्यवधान) बोफोर्स पेप्सी कर दो (व्यवधान)

श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी: कमीशन लिया है (व्यवधान)

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, स्वामी जी कमीशन के पीछे पड़े रहते हैं। अच्छा होता यदि यह कमीशन को पकड़ पाएं लेकिन यह कमीशन जो है इनके लिए मृगतृष्णा बन गया है, इसको यह पकड़ नहीं पाते। मुझे ऐसा लगता है कहीं यह कमीशन में शरीक न हों। मैं तो कभी किसी कमीशन में शरीक होता नहीं स्वामी जी। 13 साल से मैं दिल्ली में इन्हीं कपड़ों में रह रहा हूं। तो मेरा कहना यह है कि यह जो लहर पेप्सी है, जैसे मैंने पहले कहा है, हमने लगातार सारे काम देखे, कोई कानून नहीं है कि हम इन को रोक सकें। हमने अपनी ताकत लगाई और बाकी नाम जो सुझाए गये उनको छोड़ कर लहर को इसके साथ जोड़ दिया। यह काम सभापति जी, ...

श्री सभापति: आपकी लहर में आ गये। (व्यवधान)

श्री शरद यादव: हिन्दुस्तान में ही नहीं पूरी दुनियां में लहर पेप्सी लहरायेगा। तो यह हमने किया है (व्यवधान) लोगो तो इसमें दब गया है (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Discussion on Tehigu-Ganga issue

*43. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a meeting of Chief Ministers of Andhra Pradesh, Maharashtra and Karnataka was held at Tirupati in April to discuss the Telugu-Ganga issue; and

(b) if so, with what result?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI MANUBHAI KOTADIA): (a) Andhra Pradesh Government has intimated that the meeting was held on 21-4-1990 at Tirupati.

(b) After discussions, the three States decided to meet again in June, 1990.

RBI's suggestion for curbing Inflation

*46. CHOWDHRY HARI SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Reserve Bank of India has gone into the causes of inflation and suggested any measures to curb the same;

(b) if so, what are the details thereof, and

(c) whether Government have drawn up any programme for implementation of these measures?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ANIL SHASTRI): (a) to (c) The Reserve Bank of India has pointed out that one of the factors underlying inflation was disproportionate and persistent growth in money supply with the public (M3) last year. At 19. 4 per cent this was the highest since 1978-79 when the expansion was 21. 2 per cent. The very high rate of monetary expansion reflects the expansion in net RBI credit to the Government in 1989-90. This has contributed significantly to inflation. Given the large overhang of liquidity, it